University in News on 19 March 2025

HINDUSTAN PAGE 7, 8

एलयू छात्रा ने स्वर्ण पदक जीता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 64 यूपी बटालियन की कैडेट और बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा प्रियांशी जुगरान ने अस्मिता खेलो इंडिया सिटी ताइक्वांडो लीग में जूनियर वर्ग के 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। यह प्रतियोगिता केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, खेलो इंडिया और भारतीय ताइक्वांडो फेडरेशन की ओर से आयोजित की गई थी।

प्रोफेसर एसएन पांडेय को बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड

लखनऊ। एलयू में वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. एसएन पांडेय को मध्य प्रदेश की सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज ने एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से सम्मानित किया। यह पुरस्कार उनके जीवन विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान सात मार्च को रीवा के एपीएस विवि में नवाचार और पर्यावरण प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला।

जीवन के सभी स्तरों पर सामंजस्य से सच्चा सुख

लखनऊ। एलयू स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और यूजीसी की ओर से यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम के दूसरे दिन मानव अस्तित्व के मूलभूत पहलुओं पर चर्चा हुई। रिसोर्स पर्सन डॉ. विनय चिढ़ी ने बताया कि मनुष्य का अस्तित्व स्व और शरीर का सह-अस्तित्व है। जहां स्व व्यक्ति के अस्तित्व का केंद्र है। उन्होंने समझाया कि सच्चा सुख तभी संभव है जब जीवन के सभी स्तरों पर सामंजस्य स्थापित हो।

बीबीए, बीवीए समेत पांच विषयों का रिजल्ट जारी

लखनऊ। एलयू में शैक्षिक सत्र 2024-25 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक स्तर के पांच विषयों का परिणाम जारी कर दिया गया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक ने सूचना जारी की है। उनका कहना है कि बीएससी गृह विज्ञान एनईपी व बीवीए रिटेल मैनेजमेंट प्रथम सेमेस्टर के नतीजे घोषित किए गए हैं। इसी तरह बीवीए एप्लाइड आर्ट, पेंटिंग व स्कल्पचर सातवें सेमेस्टर का परीक्षाफल जारी हुआ है। विद्यार्थी एलयू की वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

वेद, गीता व रामायण समेत विभिन्न साहित्य पढ़ेंगे छात्र

एलयू

05 नए पेपर अंग्रेजी विभाग में 20-20 क्रेडिट के होंगे

■ आगामी सत्र से पीजी छात्र कोर पेपर के तौर पर पढ़ेंगे

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के विद्यार्थी आगामी सत्र से वेद, पुराण, उपनिषद्, गीता, रामायण, महाभारत और भारतीय भाषाओं को अपने पाठ्यक्रम में पढ़ेंगे। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अंग्रेजी विभाग के परास्नातक पाठ्यक्रम में किया गया है। जिसके तहत भारतीय संस्कृति और साहित्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर पांच नए पेपर आरंभ करने का फैसला किया गया है। यह सभी पेपर 20-20 क्रेडिट के होंगे। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओंकार नाथ उपाध्याय ने दी।

प्रोफेसर उपाध्याय ने बताया कि भारत वर्ष के अंग्रेजी साहित्य में यह परिवर्तन पहली बार हुआ है। जिसका अन्य विश्वविद्यालय अनुसरण करेंगे। उनका कहना है कि इंडियन क्लासिकल लिटरेचर, इंडियन पोएटिक्स एंड एस्थेटिक्स, लैंग्वेज लिटरेचर इन ट्रांसलेशन, इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश और इंडियन डायस्पोरा एंड कल्चर स्टडीज नामक पांच नए पेपर शुरू किए जाएंगे। इंडियन क्लासिकल लिटरेचर के अंतर्गत ऋग्वेद के अग्नि सूक्त के पांच मंत्र, वेद, पुराण, उपनिषद्, गीता, रामायण और महाभारत से जुड़े साहित्य को पढ़ाया जाएगा। इंडियन पोएटिक्स एंड एस्थेटिक्स में महर्षि पाणिनी की अष्टाध्यायी किताब के 14 माहेश्वर सूत्रों और अलंकार, ध्वन, रस, छंद शास्त्र को भी बताया जाएगा।

भोजपुरी, अवधी, ब्रज भाषा की कविताएं पढ़ेंगे

प्रोफेसर ओंकार नाथ के मुताबिक, लैंग्वेज लिटरेचर इन ट्रांसलेशन में 22 भारतीय भाषाओं के साहित्य को अंग्रेजी में पढ़ाएंगे। जिसमें भोजपुरी की कविता बटोहिया को जोड़ा गया है। साथ ही अवधी में तुलसीदास और ब्रज में सूरदास के साथ तमिल, तेलुगू, गुजराती कविताओं को शामिल किया है।

इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन पेपर में सीटें फुल

प्रोफेसर ओंकार के अनुसार, विभाग में तीन वर्ष पूर्व इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन नामक इंटरडिसिप्लनरी पेपर शुरू किया गया था। जिसे कला संकाय का कोई भी छात्र पढ़ सकता है। इस पेपर में कुल 100 सीट थी। मगर, इसे पढ़ने वाले छात्रों की संख्या दोगुनी है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

डॉ. एसएन पांडेय को मिला सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वनस्पति विभाग के प्रोफेसर डॉ. एसएन पांडेय को सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंस के एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उनके जीवन विज्ञान (लाइफ साइंस) के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान और उपलब्धियों के लिए दिया गया है। (संवाद)

डाटा की सही व्याख्या जरूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार से मेटा-विश्लेषण का सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण में कौशल प्रदान करना और उनके अनुसंधान क्षमताओं को सशक्त बनाना है। प्रो. एम सिराजुद्दीन ने कहा, डाटा की सही व्याख्या वैज्ञानिक खोज के लिए जरूरी है। प्रतिभागियों को एसपीएसएस सॉफ्टवेयर के उपयोग व सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण का अभ्यास करने का अवसर मिला। (संवाद)

सुख तभी संभव है जब जीवन के सभी स्तरों पर तालमेल स्थापित हो

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर ऑनलाइन विचार-विमर्श कार्यक्रम हुआ। आयोजक डॉ. विनय ने बताया कि सच्चा सुख तभी संभव है जब जीवन के सभी स्तरों पर तालमेल स्थापित हो। हमारी कल्पना जब हमारी प्राकृतिक स्वीकृति के अनुरूप होती है, तब उसे स्वतंत्रता कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति के विचार और कर्म उसकी स्वाभाविक प्रवृत्ति और मूल्यों के साथ संगत होते हैं। (संवाद)

TOI PAGE 2

LU student grabs taekwondo gold

Priyanshi Jugran, a cadet of the 64 UP Battalion at Lucknow University, clinched the gold medal at the Asmita Khelo India City Taekwondo League in the junior category above 68 kg weight division. "This medal is the reward of my hard work I put in to improve my technique and strategy," said the second year B.Com student. The tournament was organized with the support of the Ministry of Youth Affairs and Sports, Khelo India, and the Taekwondo Federation of India.

i-NEXT PAGE 4, 7

इंडियन कल्चर प्रमोट करेगा एलयू

इंडियन एपिक्स से लेकर वेदों की पढ़ाई करेंगे स्टूडेंट्स

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 Mar): भारतीय ज्ञान परंपरा से स्टूडेंट्स को रूबरू करवाने और प्राचीन साहित्य एवं संस्कृति को प्रमोट करने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश एंड मॉडर्न लैंग्वेजेस ने इसी सेशन से यूजी स्तर पर 5 नए कोर्सेज की शुरुआत करने का फैसला किया है. जिसमें स्टूडेंट्स को वेदों से लेकर महाकाव्यों और प्राचीन भाषाओं एवं ग्रन्थों के बारे में पढ़ाया जाएगा. इंग्लिश डिपार्टमेंट के हेड प्रो. ओंकार नाथ पांडेय का कहना है कि इन कोर्सेज के माध्यम से स्टूडेंट्स भारतीय ज्ञान परंपरा, भाषा एवं साहित्य से परिचित होंगे. जिनके माध्यम से हम भारतीय संस्कृति को प्रमोट कर पाएंगे.

ये हैं 5 कोर्स

प्रो. ओंकार नाथ पांडेय ने बताया कि इंग्लिश डिपार्टमेंट में इसी सेशन से 5 नए कोर्सेज की शुरुआत की जा रही है. जिनमें इंडियन क्लासिकल लिटरेचर, लिटरेचर एंड ट्रांसलेशन, इंडियन पोएट्स एंड एस्थेटिक्स, इंडियन डायस्पोरेंट कंसिस्टेंस और भाषा लिटरेचर शामिल हैं. प्रो. पांडे का कहना है कि जब जेजे विल्सन ने 20वीं सदी में ऋग्वेद का ट्रांसलेशन कर दिया था तो आज के टाइम में हमारे स्टूडेंट्स को भी अपने वेदों एवं परंपराओं की जानकारी होनी चाहिए. इसी को लेकर हमने इन कोर्सेज की शुरुआत की है, जिसमें न सिर्फ स्टूडेंट्स इंडियन लिटरेचर और लैंग्वेज को पढ़ेंगे बल्कि उनका ट्रांसलेशन भी करेंगे. ये ट्रांसलेशन सिर्फ इंग्लिश में ही नहीं बल्कि तमिल, तेलुगु और भोजपुरी में भी होगा.

"अपने स्टूडेंट्स को भारतीय ज्ञान परंपरा की जानकारी इंग्लिश लैंग्वेज के माध्यम से देने के लिए हम इन नए कोर्सेज की शुरुआत करने जा रहे हैं. जिसमें विवि प्रशासन, फैकल्टी मेंबर्स और हमारे स्टूडेंट्स का अहम योगदान है. जिनके सहयोग से हम रोज बेहतरी की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं.

प्रो. ओंकार नाथ पांडेय,
हेड, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, एलयू

एलयू प्रोफेसर को मिला बेस्ट साइंटिस्ट अवॉर्ड

LUCKNOW :लखनऊ यूनिवर्सिटी के बॉटनी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर एसएन पांडे को लाइफ साइंसेज की फील्ड में उनके योगदान के लिए सोसायटी ऑफ लाइफ साइंसेज की तरफ से बेस्ट साइंटिस्ट का अवॉर्ड दिया गया. यह अवॉर्ड उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और पर्यावरणीय एवं जैव विज्ञान में उनके योगदान को दर्शाता है.

खेलो इंडिया में एलयू को गोल्ड

LUCKNOW (18 Mar): केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय, खेलो इंडिया और इंडियन ताइक्वांडो फेडरेशन की तरफ से आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया सिटी ताइक्वांडो लीग में एलयू की 64 यूपी बटालियन, एनसीसी कैडेट और बीकॉम की स्टूडेंट प्रियांशी जुगरान ने कड़ी मेहनत और बेहतरीन टेक्नीक का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया. प्रियांशी के बेहतरीन प्रदर्शन एवं प्रतिभा को देखते हुए 64 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पीपी एस चौहान, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर ले. रजनीश कुमार और सूबेदार दिनेश कुमार ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की.

PIONEER PAGE 3

डॉ. एसएन पांडे एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज रीवा, म.प्र. ने एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से डॉ. एस. एन. पांडे, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय को सम्मानित किया है। यह पुरस्कार उनके जीवन विज्ञान (लाइफ साइंसेज) के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज ने डॉ. पांडे के असाधारण शोध और समर्पण की सराहना करते हुए उनके वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। यह सम्मान उनके शैक्षणिक उत्कृष्टता और पर्यावरणीय एवं जैविक विज्ञान में उनके योगदान को दर्शाता है।

खेलो इंडिया में लविवि छात्रा ने हासिल किया स्वर्ण पदक

लखनऊ। 64 यू. पी. बटालियन लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की उभरती हुई ताइक्वांडो खिलाड़ी, प्रियांशी जुगरान ने अस्मिता खेलो इंडिया सिटी ताइक्वांडो लीग में अपनी उत्कृष्ट क्षमता का परिचय देते हुए जूनियर वर्ग के 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, खेलो इंडिया और भारतीय ताइक्वांडो फेडरेशन के सहयोग से आयोजित की गई थी। प्रियांशी जुगरान विवि में बी. कॉम सेमेस्टर - 4 की छात्रा हैं, ने इस उपलब्धि के माध्यम से न केवल अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण को प्रमाणित किया है। इस अवसर पर 64 यू पी बटालियन के कॉमंडिंग ऑफिसर कॉर्नल पी पी एस चौहान, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ रजनीश कुमार यादव व सूबेदार दिनेश कुमार ने उनके उज्वल भविष्य की बधाई दी है।

THE PIONEER PAGE 2

LU launches online course on universal human values

PIONEER NEWS SERVICE ■ Lucknow

The University of Lucknow, in collaboration with the National Coordination Committee for Induction Program (NCCIP) on Universal Human Values (UHV) and following UGC directives, has launched a six-day online short-term course (STC) on Universal Human Values. The programme, led by Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, is organised by the Malaviya Mission Teacher Training Centre (MMTTC) to promote value-based education. MMTTC Director Prof Kamal Kumar and programme coordinator Dr Manisha Shukla are overseeing the initiative.

The inaugural session began with a welcome address from Prof Kamal Kumar. UGC Chairman Prof M Jagadesh Kumar Mamidala sent his blessings, and Dr Rajneesh Arora, President of NCCIP, delivered an address. Contributions from Dr Rajul Asthana and representatives of UGC, AICTE, and NCCIP enriched the event.

Dr Arora highlighted the need to integrate universal human values into the education system, aligning with UGC's mission to foster ethical, moral, and holistic learning. He also discussed UGC's ongoing efforts to promote these values in academia. The course has attracted over 75 participants nationwide. Many attendees praised the programme's relevance in nurturing a holistic, value-based approach to education and life.

JAGRAN CITY PAGE III

डा. एसएन पांडे को अवार्ड

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डा. एसएन पांडे को एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें जीवन विज्ञान (लाइफ साइंसेज) में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान एपीएस विश्वविद्यालय, रीवा में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। सोसाइटी आफ लाइफ साइंसेज ने उनके शोध और समर्पण की सराहना की। (जासं)

स्वर्ण पदक जीता

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्रा और एनसीसी कैडेट प्रियांशी जुगरान ने अस्मिता खेलो इंडिया सिटी ताइक्वांडो लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, खेलो इंडिया और भारतीय ताइक्वांडो फेडरेशन के सहयोग से आयोजित की गई थी। प्रियांशी 64 यूपी बटालियन एनसीसी की कैडेट और बी.काम चौथे सेमेस्टर की छात्रा हैं। उनकी इस सफलता पर 64 यूपी बटालियन के कमांडिंग आफिसर कर्नल पीपीएस चौहान, एसोसिएट एनसीसी आफिसर लेफ्टिनेंट डा. रजनीश कुमार यादव और सूबेदार दिनेश कुमार ने उन्हें बधाई दी। (जासं)

विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम घोषित

लखनऊ: लविवि और इससे जुड़े महाविद्यालयों के विषम सेमेस्टर 2024 की कुछ परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। छात्र अपने परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं। घोषित परिणामों में बीएससी होम साइंस (प्रथम सेमेस्टर), बीवीए (तीसरा सेमेस्टर) और बीवीए (सातवां सेमेस्टर) के विभिन्न विषयों में अप्लाइड आर्ट, पेंटिंग, मूर्तिकला (स्कल्पचर) शामिल हैं। (जासं)

'जीवन में सामंजस्य पर जोर'

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और यूजीसी की ओर से आयोजित यूनिवर्सल मानव मूल्य पर आनलाइन पाठ्यक्रम के दूसरे दिन मानव अस्तित्व और मूलभूत जीवन मूल्यों पर गहन चर्चा हुई। मुख्य वक्ता डा. विनय चिढ़ी ने बताया कि मनुष्य का अस्तित्व 'स्व' और शरीर के सह-अस्तित्व पर आधारित है। उसका मूल उद्देश्य निरंतर सुख की प्राप्ति है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति अपने विचार, परिवार, समाज और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करे। उन्होंने स्वतंत्रता को परिभाषित करते हुए बताया कि जब हमारी कल्पना हमारी प्राकृतिक स्वीकृति के अनुरूप होती है, तभी हम वास्तविक स्वतंत्रता अनुभव करते हैं। सत्र संवादात्मक रहा, जहां प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा कर आत्ममंथन किया। अंत में प्रतिभागियों ने इन मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया, जिससे शिक्षा और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रेरणा मिली। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 7

कोर्ट में उतरे कुलपति, बनाया बास्केट

अवध गर्ल्स महाविद्यालय में चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः अवध गर्ल्स महाविद्यालय में चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता नजराना ए अवध की शुरुआत मंगलवार को कुलपति डॉ आलोक कुमार राय ने की। वह कोर्ट में उतरे और बॉल को बास्केट में डालकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, नेशनल पीजी कॉलेज, केकेसी कॉलेज, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज, डीएवी कॉलेज के खिलाड़ियों ने शतरंज, खो खो, थ्रो बॉल, चेस, बास्केट बॉल, तायकोंडो, टेबल टेनिस में प्रतिभाग किया।

राष्ट्रगान के समय सावधान मुद्रा में खड़े कुलपति व महाविद्यालय की प्राचार्य व शिक्षिकाएं।

महाविद्यालय छात्रा परिषद की अध्यक्ष श्रेया मिश्रा, एनसीसी कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर अवंतिका, अंडर ऑफिसर प्रिया कुलश्रेष्ठ की अगुवाई में एनसीसी कैडेट (19 यूपी गर्ल्स बटालियन) ने परेड कर मुख्य अतिथि कुलपति को को सलामी दी। प्रो. निशि पांडे, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, लुआक्टा अध्यक्ष प्रो. मनोज पांडेय व प्रतिभागियों, शिक्षिकाओं ने कुलपति को स्वागत किया।

महाविद्यालय की प्रबंध समिति अध्यक्ष और विशिष्ट अतिथि जरीन विका, प्रबंधक प्रो. निशि पांडे, प्राचार्या प्रो. बीना राय, सुमना वार्ष्णेय, डॉ. सरिता सिंह, डॉ. सुरप्रीत सहाय, डॉ. अदिति मेहरोत्रा व श्रेया दयाल उपस्थित रहे।

मेडल दिखातीं प्रियांशी।

लविवि की प्रियांशी ने खेलो इंडिया में जीता स्वर्ण

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्रा प्रियांशी जुगरान ने अस्मिता खेलो इंडिया सिटी ताइक्वांडो लीग में जूनियर वर्ग के 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। 64 यूपी बटालियन लखनऊ विश्वविद्यालय की ताइक्वांडो खिलाड़ी ने केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, खेलो इंडिया और भारतीय ताइक्वांडो फेडरेशन के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता है। प्रियांशी विश्वविद्यालय में 64 यूपी बटालियन एनसीसी कैडेट होने के साथ ही बीकॉम सेमेस्टर 4 की छात्रा है। उसके ऐतिहासिक प्रदर्शन की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय में हर्ष की लहर दौड़ गई थी। कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय ने प्रियांशी को बधाई देते हुए कहा है कि उसका ऐतिहासिक प्रदर्शन न केवल उनके लिए बल्कि ताइक्वांडो और खेलों के प्रति युवा पीढ़ी के समर्पण को प्रेरित करने वाला है। इस सफलता के बाद भविष्य में उनकी और भी बड़ी उपलब्धियों की अपेक्षा है। कॉमडिंग ऑफिसर कर्नल पीपीएस चौहान, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव व सूबेदार दिनेश कुमार ने प्रियांशी की कामयाबी पर खुशी प्रगट किया है।

डॉ. एसएन पांडे एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से सम्मानित

लखनऊ। रीवा, मप्र सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज ने एसएलएस बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से डॉ. एसएन पांडे, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय को सम्मानित किया। यह पुरस्कार उनके जीवन विज्ञान (लाइफ साइंसेज) के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान 7 मार्च को राष्ट्रीय सम्मेलन-नवाचार और पर्यावरण प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीको के अवसर पर दिया गया, जिसका आयोजन पर्यावरण जीवविज्ञान विभाग, एपीएस विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश द्वारा किया गया था। सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज ने डॉ. पांडे के असाधारण शोध और समर्पण की सराहना करते हुए उनके वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। यह सम्मान उनके शैक्षणिक उत्कृष्टता और पर्यावरणीय एवं जैविक विज्ञान में उनके योगदान को दशार्ता है।

डेटा का सही प्रयोग वैज्ञानिक खोजों के लिए जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय में मेटा-विश्लेषण का सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान बोर्ड-वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया। समारोह में प्रो. एम. सिराजुद्दीन, जूलॉजी विभाग के प्रमुख, प्रो. शीला मिश्रा, विज्ञान संकाय की डीन और प्रो. शैली मलिक, कार्यशाला की आयोजक और जूलॉजी विभाग की फैकल्टी सदस्य उपस्थित थे।

प्रोफेसर एम. सिराजुद्दीन ने उद्घाटन भाषण में अनुसंधान में सांख्यिकीय विश्लेषण के महत्व को रेखांकित किया, यह बताते हुए कि डेटा की सही व्याख्या वैज्ञानिक खोजों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने प्रतिभागियों को इस अवसर का पूरा लाभ उठाने और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों को सीखने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे इन्हें अपने अध्ययन के क्षेत्रों में लागू कर सकें। इसके बाद एक व्यावहारिक सत्र हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण का अभ्यास करने का अवसर मिला। इस सत्र ने प्रतिभागियों को सांख्यिकीय तकनीकों को लागू करने में वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने में मदद की।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

प्रियांशी ने खेलो इंडिया में प्राप्त किया स्वर्ण पदक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की उभरती हुई ताइक्वांडो खिलाड़ी, प्रियांशी जुगरान ने अस्मिता खेलो इंडिया सिटी ताइक्वांडो लीग में अपनी उत्कृष्ट क्षमता का परिचय देते हुए जूनियर वर्ग के 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, खेलो इंडिया और भारतीय ताइक्वांडो फेडरेशन के सहयोग से आयोजित की गयी थी।

प्रियांशी जुगरान, जो 64 यूपी बटालियन एनसीसी व बी.कॉम सेमेस्टर - 4 लखनऊ विश्वविद्यालय की एक समर्पित कैडेट व विद्यार्थी हैं, ने इस उपलब्धि के माध्यम से न केवल अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण को प्रमाणित किया, बल्कि ताइक्वांडो के क्षेत्र में अपनी स्थिति और भी मजबूत की। प्रतियोगिता में उन्होंने अपनी बेहतरीन तकनीक, रणनीति और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया, जो उनके व्यक्तिगत विकास और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को दर्शाता है। प्रियांशी का यह ऐतिहासिक प्रदर्शन न केवल उनके लिए बल्कि ताइक्वांडो और खेलों के प्रति युवा पीढ़ी के समर्पण को प्रेरित करने वाला है। इस सफलता के बाद भविष्य में उनकी और भी बड़ी उपलब्धियों की संभावना जताई जा रही है, जो ताइक्वांडो के क्षेत्र में उनके उज्जवल करियर की ओर संकेत करती है। इस अवसर पर 64 यूपी बटालियन के कॉमडिंग ऑफिसर कॉर्नल पीपी यस चौहान, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ रजनीश कुमार यादव व सूबेदार दिनेश कुमार ने उनके उज्वल भविष्य की बधाई दी।

वेद, गीता, रामायण और भोजपुरी, अवधी ब्रज भाषा के साहित्य को पढ़ेंगे लविवि छात्र

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के विद्यार्थी अब आगामी सत्र से वेद, पुराण, उपनिषद्, गीता, रामायण, महाभारत और भारतीय भाषाओं को अपने पाठ्यक्रम में पढ़ेंगे। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अंग्रेजी विभाग के परास्नातक पाठ्यक्रम में किया गया है। जिसके तहत भारतीय संस्कृति और साहित्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर पांच नए पेपर आरंभ करने का फैसला किया गया है। यह सभी पेपर 20-20 क्रेडिट के होंगे। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओंकार नाथ उपाध्याय ने दी।

प्रोफेसर उपाध्याय ने बताया कि भारत वर्ष के अंग्रेजी साहित्य में यह परिवर्तन पहली बार हुआ है। जिसका अब अन्य विश्वविद्यालय भी अनुसरण करेंगे। उनका कहना है कि इंडियन क्लासिकल लिटरेचर, इंडियन पोएटिक्स एंड एस्थेटिक्स, लैंग्वेज लिटरेचर इन ट्रांसलेशन, इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश और इंडियन डायस्पोरा एंड कल्चर स्टडीज नामक पांच नए पेपर शुरू किए जाएंगे। इसमें इंडियन क्लासिकल लिटरेचर के अंतर्गत ऋग्वेद के अग्नि सूक्त के पांच मंत्र, वेद, पुराण, उपनिषद्, गीता, रामायण और महाभारत से जुड़े साहित्य को पढ़ाया जाएगा। इंडियन पोएटिक्स एंड एस्थेटिक्स में महर्षि पाणिनी की अष्टाध्यायी किताब के 14 माहेश्वर सूत्रों और अलंकार, ध्वन, रस, छंद शास्त्र को भी बताया जाएगा। जबकि इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश में कनाडा, अमेरिका और इंग्लैंड में रहने वाले भारतीय लेखकों की किताबों और उनके व्यक्तित्व के बारे में बताया जाएगा, जिनका कार्य सिर्फ अंग्रेजी भाषा में है।

भोजपुरी, अवधी, ब्रज भाषा की कविताएं भी पढ़ेंगे: प्रोफेसर ओंकार नाथ के मुताबिक, लैंग्वेज लिटरेचर इन ट्रांसलेशन में 22 भारतीय भाषाओं के साहित्य को अंग्रेजी में पढ़ाएंगे। जिसमें भोजपुरी की कविता बटोहिया को जोड़ा गया है। साथ ही अवधी में तुलसीदास और ब्रज में सूरदास के साथ तमिल, तेलुगू, गुजराती कविताओं को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।

प्रवासी भारतीयों की गाथा भी जानेंगे विद्यार्थी: इंडियन डायस्पोरा एंड कल्चर स्टडीज पेपर में छात्रों को उन भारतीय मूल के लोगों के इतिहास और वर्तमान स्थिति के बारे में बताया जाएगा जो एक मजदूर के रूप में भारत से फिजी, मॉरीशस, जमैका और साउथ अफ्रीका जैसे कई देशों में गए और आज वहां शासक के रूप में हैं। यह लोग भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार भी कर रहे हैं।

इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन पेपर में सीटें फुल: प्रोफेसर ओंकार के अनुसार, विभाग में तीन वर्ष पूर्व इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन नामक इंटरडिसिप्लनरी पेपर शुरू किया गया था। जिसे कला संकाय का कोई भी छात्र पढ़ सकता है। इस पेपर में कुल 100 सीट थी। मगर, इसे पढ़ने वाले छात्रों की संख्या दोगुनी है।